सविनय अवज्ञा आंदोलन Civil Disobedience Movement

शुरुआत:- 12 March 1930 ई० को साबरमती आश्वम (अहमदाबाद)

Beginning:- 12 March 1930 at Sabarmati Ashvam (Ahmedabad)

1929 ई० में कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में कांग्रेस कार्यकारिणी सभा में सविनय अवज्ञा आंदोलन को शुरू करने का अधिकार दिया गया।

In 1929, in the Lahore session of the Congress, the Congress Working Committee was given the right to start the Civil Disobedience Movement.

दाण्डी मार्च Dandi March:- 12 March 1930- 6 April 1930

कुल सहयोगी:- 78 सदस्य - सर्वाधिक संख्या गुजरात

otal participants:- 78 members - Highest number Gujarat

दूरी ⇒ 385km. (241 मील)/ Distance ⇒ 385km. (241 miles)

यात्रा ⇒ 24 Day's/Trip ⇒ 24 Day's

दांडी यात्रा का प्रारंभ करते समय गांधी जी ने कहा था कि शाक्ते के विरुद्ध अधिकार को इस लड़ाई में मैं विश्व की सहानुभूति चाहता हूँ।

While starting the Dandi march, Gandhi ji had said that I want the sympathy of the world in this fight for power against power.

दांडी यात्रा "अंत तक लड़ो' आदर्श वाक्य के साथ शुरू की गई थी।

The Dandi march was started with the motto "Fight till the end".

नमक कानून का उल्लंघन ⇒ 6 Abril 1930 को दाण्डी (नौसारी जनपद, गुजरात)

Violation of salt law ⇒ 6 April 1930 at Dandi (Nausari district, Gujarat)

सुभाष चन्द्र बोस ने गांधी जी की दांडी यात्रा नेपोलियन के एल्वा से पेरिस तथा मुसोलिनी की रोम मार्च से तुलना की थी।

Subhash Chandra Bose compared Gandhiji's Dandi March to Napoleon's Elba to Paris and Mussolini's Rome March.

गांधी जी ने दाण्डी यात्रा के दौरान माही नदी को पार किया था।

Gandhi crossed the Mahi river during the Dandi march.

सविनय अवज्ञा के दौरान पाश्चमोत्तर सीमा प्रांत में गढ़वाल सैनिको ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने से इंकार कर दिया था।

During the Civil Disobedience, the Garhwal soldiers in the North-West Frontier Province refused to fire on the demonstrators.

दक्षिण भारत में नमक आन्दोलन के दौरान त्रिचना - पल्ली (वेदारण्यम्) तक यात्रा कर नमक कानून सी० गोपालाचारी ने तोड़ा था।

During the Salt Movement in South India, Gopalachari broke the Salt Law by travelling to Trichy-Palli (Vedaranyam).

नमक आन्दोलन के दौरान गांधी जी को गिरफ्तार करके यरवदा जेल में रखा गया था। गांधी जी की गिरफ्तारी के पश्चात् इस आंदोलन नेतृत्व अब्बास तैयब जी ने किया।

During the Salt Satyagraha, Gandhiji was arrested and kept in Yerawada Jail.

सविनय अवज्ञा के दौरान कांग्रेस ने न लगान, न टैक्स देने का अभियान संयुक्त प्रांत से शुरू किया

During the Civil Disobedience, Congress started a campaign of paying no rent or tax from the United Province.

↳ उत्तर प्रदेश

गांधी जी द्वारा संचालित महिलाओं की सर्वाधिक भागीदारी नमक सत्याग्रह में मानी जाती है। (महिलाओं की भागीदारी के लिए सरोजनी नायडू और कमला देवी चट्टोपाध्याय ने गांधी जी से आग्रह किया।

The maximum participation of women is considered in the Salt Satyagraha led by Gandhiji. (Sarojini Naidu to the women)

दाण्डी मार्च के दौरान गांधी जी ने कहा था कि घुटने टेक कर मैने रोटी मांगी थी, जबाव में मुझे पत्थर मिला।

During the Dandi March, Gandhiji had said that I had asked for bread on my knees, but in response I got stones.

सविनय अवज्ञा के दौरान ग्रामीण जनता ने चौकीदारी कर अदा करने से पूर्वी भारत में मना कर दिया था।

During the Civil Disobedience, the rural population in eastern India refused to pay the Chowkidara tax.

धरासना नमक आंदोलन के दौरान मुम्बई का केंद्र बिंदु था।

Dharasana was the focal point in Mumbai during the Salt Satyagraha.

नेतृत्व सरोजनी नायडू , अमेरिकी पत्रकार - वेब मिलर

June 1930 में गांधी जी की गिरफ्तारी के बाद सविनय अवज्ञा का नेतृत्व अब्बास तैयबजी ने किया था।

After Gandhiji's arrest in June 1930, the civil disobedience was led by Abbas Tayyabji.

आचार्य विनोवा भावे सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने पर प्रथम बार गिरफ्तार हुए थे।

भूदान आंदोलन → 1951।

Acharya Vinoba Bhave was arrested for the first time for participating in the Civil Disobedience Movement.

स्वैच्छिक भूमि सुधार

गांधी जी ने विदेशी पत्रकार (अमेरिकी पत्रकार) वेब मिलर को दांडी मार्च के समय अपने साबर मती आश्रम पर ठहराया था।

Gandhiji had lodged foreign journalist (American journalist) Webb Miller at his Sawarmati Ashram during the Dandi March.

सविनय अवज्ञा के दौरान अंग्रेजी सरकार के विरुध्द पेशावर काण्ड का नायक वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली था।

Veer Chandra Singh Garhwali was the hero of the Peshawar incident against the British government during the Civil Disobedience

1930-1934

कांग्रेस ने सविनय अवज्ञा आंदोलन को आधिकारिक रूप से May 1933 में निलंबित और may 1934 में वापिस ले लिया।

The Congress officially suspended the Civil Disobedience Movement in May 1933 and withdrew it in May 1934.

गोलमेज सम्मेलन (Round Table conference)

I → 1930 ✗

II → 1931 ⇒ INC ने भाग लिया

III → 1932 ✗

1933 ई० में सुभाष चन्द्र बोस व विट्ठलभाई पटेल ने कहा था कि एक राजनैतिक नेता के रूप में गांधी जी असफल रहे।

In 1933, Subhash Chandra Bose and Vitthalbhai Patel had said that Gandhiji was a failure as a political leader.

प्रथम गोलमेज सम्मेलन (1930-1931) First Round Table Conference (1930-1931)

स्थान - सेंट जेम्स पैलेस (लंदन)/Venue - St James's Palace (London)

उद्घाटन - जार्ज पंचम/Inauguration - George pncham

अध्यक्षता - ब्रिटिश PM रैम्जे मैकडोनाल्ड

Chaired by- British PM Ramsay MacDonald

प्रतिनिधियों - की संख्या = 89/Number of representatives = 89

भारत का G.G. – इरविन/G.G. of India - Irwin

हिन्दू महासभा - डा० एम० भा० (आर०) जयकर, पी० एस० मुंजे

Hindu Mahasabha - Dr. M. Bhar (R.) Jaykar, P.S. Munje

मुस्लिम - मो० अली जिन्ना, मो० अली जौहर, आगा खाँ, फजलुल हक

Muslim Mohammad Ali Jinnah, Mohammad Ali Johar, Aga Khan, Fazlul Haq

सिक्ख - सरदार संपूर्ण सिंह/Sikh - Sardar Sampooran Singh

एंग्लो - इंडियन - के० टी० पाल/Anglo-Indian - K० T. Pal

दलित वर्ग - डा० भीम राव अंबेडकर/Dalet class - Dr. Bhim Rao Ambedkar

देशी रियासत - 16 नरेश/Native princely states - 16 kings

गांधी-इरविन समझौता : अन्य नाम - दिल्ली समझौता 5 March 1931

Gandhi-Irwin Pact: Other name - Delhi Pact

↳ दिल्ली

स्थान – दिल्ली/Location – Delhi

(1) सविनय अवज्ञा आंदोलन का स्थगन गांधी इरविन समझौते के तहत् हुआ।

The Civil Disobedience Movement was suspended under the Gandhi Irwin Pact.

(2) दूसरे गोलमेज सम्मेलन कांग्रेस भाग लेगी।

→ गांधी जी ने कहा कि उन लोगों को रिहा कर दिया जाये जिन्होंने हिंसा नहीं की है।

⇒ भगत सिंह
⇒ सुखदेव
⇒ राजगुरु

⇒ फांसी ⇒ 23 March 1931

इस समझौते के सम्पन्न होने में तेज बहादुर पुत्र व एम० आर० जयकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

Tej Bahadur Putra and M.R. Jayakar played an important role in the conclusion of this agreement.

गांधी जी तथा इरविन को दो महात्मा की संज्ञा सरोजनी नायडू ने प्रदान की थी।

Sarojini Naidu had given the title of two Mahatmas to Gandhiji and Irwin.

द्वितीय गोलमेज सम्मेलन Second Round Table Conference

(7 sept. 1931- 1 Dec. 1931)

गांधी जी को कांग्रेस ने द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए अपने प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया था।

Gandhiji was appointed by the Congress as its representative to attend the Second Round Table Conference.

गांधी जी एस ० एस० राजपूताना नामक जहाज में लंदन के लिए रवाना हुए थे।

Gandhiji left for London in a ship named S.S. Rajputana.

गांधी जी के सचिव - महादेव देसाई/Gandhiji's secretary - Mahadev Desai

IInd गोलमेज सम्मेलन - सेंट जेम्स पैलेस

IInd Round Table Conference - St. James Palace

भारतका G.G. विलिंगटन (1931-35)/India's G.G. Wellington (1931-35)

ब्रिटिश PM = रैम्जे मैकडोनाल्ड/British PM = Ramsay MacDonald

द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में - डा० भीम राव अंबेडकर, मो० इकबाल, मदन मोहन मालवीय, अली इमाम, घनश्यामदास बिडला आदि ने भाग लिया।

In the Second Round Table Conference - Dr. Bhim Rao Ambedkar, Mohd. Iqbal, Madan Mohan Malviya, Ali Imam, Ghanshyamdas Vidla etc. participated.

महिला :- ऐनी बेसेंट, सरोजनी नायडू, बेगम सहवाज, सुब्बारायन आदि महिलाओं ने भाग लिया।

Women: - Anne Besant, Sarojini Naidu, Begum Sehwaz, Subbarayan etc. women participated.

मुसलमानों

IInd गोलमेज सम्मेलन सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व पर असफल रहा।

IInd Round Table Conference failed on communal representation.

IIIrd गोलमेज सम्मेलन – 1932/IIIrd Round Table Conference – 1932

लंदन में संपन्न हुए प्रथम गोलमेज सम्मेलन में भारतीय इसाईयों का प्रतिनिधित्व - के० टी० पॉल

Representation of Indian Christians in the first Round Table Conference held in London - K.T. Paul

तीनों गोलमेज सम्मेलनों में डा० भीमराव अंबेडकर व तेज बहादुर सप्रू ~~सन्नु~~ ने भाग लिया था।

Dr. Bhimrao Ambedkar and Tej Bahadur ~~Satru~~ Sapru participated in all three Round Table Conferences.

डा0 भीम राव अंबेडकर जी ने कहा कि गांधी जी क्षणिक भूत की भांति धूल उड़ाते हैं लेकिन स्तर नहीं।

Dr. Bhim Rao Ambedkar said that Gandhiji raises dust like a momentary ghost but not the level.

सांप्रदायिक पंचाट: ब्रिटिश PM रेम्जे मैकडोनाल्ड ने 16 Aug. 1932 को कम्युनल अवार्ड जारी किया।

Communal Award: British PM Ramsay MacDonald issued the Communal Award on 16 Aug. 1932.

अछुतों को हिन्दुओं से अलग अल्पसंख्यक मानकर पहली बार निर्वाचन तथा प्रतिनिधित्व का अधिकार दिया गया।

The untouchables were considered a minority separate from Hindus and were given the right to election and representation for the first time.

प्रांतीय व्यवस्थापिका सभाओं की सदस्य संख्या बढ़ाकर दुगुनी कर दी गयी तथा दलित वर्ग को 71 सीट सुरक्षित प्रदान की गयी।

The number of members in the provincial legislative assemblies was doubled and 71 seats were reserved for the Dalit class.

महात्मा गांधी ने पहला आमरण अनशन कम्युनल अवार्ड के समय प्रारंभ किया।

Mahatma Gandhi started his first fast unto death during the Communal Award.

पूना समझौता 24 sep 1932 (गांधी जी और अंबेडकर के बीच)

Poona Pact 24 Sep 1932 (between Gandhiji and Ambedkar)

गांधी जी यरवदा जेल में थे।

Gandhiji was in Yerwada Jail.

हिन्दुओं की तरफ से हस्ताक्षर पडित मदन मोहन मालवीय ने किया।

Pandit Madan Mohan Malviya signed on behalf of Hindus.

सांप्रदायिक अवार्ड एवं पूना पैक्ट में क्रमशः दालेत वर्ग के लिए नाव 147 सीटें प्रदान की गयी|

In the Communal Award and Poona Pact, 147 seats were allotted to Dalits respectively.

पूना समझौता का उद्देश्य - दलित वर्ग को प्रतिनिधित्व देना।

Objective of Poona Pact - To give representation to Dalits.

आखल भारतीय हरिजन संघ/Akhal Bhartiya Harijan Sangh

पूर्व नाम - All India Untouchability league

स्थापना – 1932/Founded - 1932

संस्थापक - महात्मा गांधी जी/Founder - Mahatma Gandhi

प्रथम अध्यक्ष - घनश्याम दास बिड़ला

First President - Ghanshyam Das Birla